अब 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा मिलेगी

नई दिल्ली में हुई प्री-बिड मीटिंग में वर्चुअली शामिल हुए सीएम

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल,1 जुलाई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मप्र सरकार ने 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत कर दी है. मप्र, स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है.

उन्होंने बताया कि दावोस में की गई घोषणा के अनुरूप प्रदेश, 24 घंटे हरित ऊर्जा देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए, मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली में आयोजित प्री-बिड मीटिंग को समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे. नई दिल्ली में हुई बैठक में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव तथा विभिन्न कपंनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना ने देश में सबसे कम सौर टैरिफ स्थापित कर भारत को वैश्विक पहचान दिलाई. शाजापुर-नीमच सोलर पार्कों ने 2.14 रूपए प्रति यूनिट का प्रदेश में सबसे कम टैरिफ अर्जित किया. हाल ही में मुरैना की 4 घंटे की स्टोरेज प्लस परियोजना के लिए 2.70 रूपए प्रति यूनिट पर पीपीए हुआ, यह देश की सबसे प्रतिस्पर्धी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में से एक है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतियां, त्वरित निर्णय और उत्कृष्ट अधोसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने देश-विदेश के निवेशकों से मध्यप्रदेश की ऊर्जा क्रांति के सहभागी बनने का अनुरोध किया.

ऊर्जा में आत्मनिर्भरता है हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केवल परियोजनाएं स्थापित करना नहीं, बल्कि हरित ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना राज्य सरकार का उद्देश्य है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास जताया कि रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना और सभी हितधारकों के संयुक्त प्रयास से 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा और हरित विकास की दिशा में ऐतिहासिक सिद्ध होगी. नई दिल्ली की प्री-बिड मीटिंग में टाटा पॉवर, रिलायंस एनर्जी, टोरेंट पॉवर, जिंदल रिन्युएबल, एनटीपीसी., अडानी ग्रीन्स, हिन्दुस्तान पॉवर, महिंद्रा सिस्टम आदि के प्रतिनिधि मौजूद थे.

स्लीपर सेल कहना आंतरिक कलह का प्रमाण

विश्वास और लखन ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 1 जुलाई. कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग और मंत्री लखन पटेल ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं से संवाद किया और उनकी समस्याओं का समाधान किया.

बाद में कांग्रेस पार्टी की आंतरिक कलह पर मीडिया से चर्चा करते हुए विश्वास सारंग ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह को स्लीपर सेल कहना पार्टी की आंतरिक कलह का प्रत्यक्ष प्रमाण है. कांग्रेस की गुटबाजी अब उनके कार्यालयों से निकलकर सड़कों पर दिखने लगी है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ही पार्टी की आंतरिक कलह और गुटबाजी पर खुलकर बोलने लगे हैं. धड़ों और गुटों में बंटी कांग्रेस का जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है. कांग्रेस अपनी पार्टी की आंतरिक कलह को छिपाने और जनता का ध्यान भटकाने के लिए मीडिया की सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं.

> सारंग ने कहा कि जब भी कांग्रेस के पास जनहित के मुद्दों पर बात करने के लिए कुछ नहीं होता, तब वह झूठे आरोपों और दुष्प्रचार का सहारा लेती है. कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं की सच्चाई उनकी पार्टी के नेताओं के बयानों से ही उजागर हो रही है. कांग्रेस के नेताओं द्वारा ही अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के लिए स्लीपर सेल 'जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाना इस बात का प्रमाण है कि पार्टी के भीतर गहरा अविश्वास, आपसी खींचतान और नेतृत्व का गंभीर संकट है.

नवभारत नीमच के चैन सिंह को वॉशिंग मशीन का उपहार

इंदौर । देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्र समूह नवभारत द्वारा प्रसार वृद्धि योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले सहयोगियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में नवभारत नीमच ब्यूरो के चैनसिंह सोलंकी को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए वाशिंग मशीन उपहार स्वरूप प्रदान की गई। यह सम्मान नवभारत के महाप्रबंधक आशुतोष उपाध्याय एवं समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी ने प्रदान किया ।

जंगली हाथी के हमले में किसान घायल

शहडोल. अनूपपुर जिले के जैतहरी थाना क्षेत्र के चोई पदमनिया गांव में जंगली हाथी के हमले में एक बुजुर्ग किसान घायल हो गया. वन विभाग के सूत्रों के अनुसार बीती रात लगभग 10 बजे एक जंगली हाथी ने भोला राठौर के मकान में घुसकर कुठला में रखा धान खा लिया. बाहर निकलते समय हाथी ने कच्ची दीवार को धक्का मार दिया, जिससे दीवार गिर गई. दीवार गिरने से घर में सो रहे 70 वर्षीय भोला राठौर घायल हो गए. उन्हें देर रात जैतहरी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है. वन विभाग ने घटना का प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

चलते-चलते सड़कों पर अचानक बंद हो रहे लोक परिवहन के साधन

- महाकाल की नगरी में चालकों और श्रद्धालुओं के सामने नई परेशानी
- मोबाइल एप्लीकेशंस से हो रही कारस्तानी

प्रमोद व्यास

उज्जैन. शहर में कई स्थानों पर ई-रिक्शा चलते-चलते अचानक बंद हो रहे हैं. इससे न केवल यात्रियों और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि ई-रिक्शा चालकों को भी भीषण गर्मी और बारिश के बीच अपने वाहन हाथ से धक्का देकर ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. कई बार व्यस्त मार्गों पर ई-रिक्शा बंद होने से यातायात बाधित होने और जाम की स्थिति भी निर्मित हो रही है.

विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल की नगरी में देश-विदेश से प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. महाकाल मंदिर, देवालयों और मोक्षदायिनी शिप्रा के घाटों तक पहुंचने के लिए ई-रिक्शा सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन माना जाता है. यही कारण है कि उज्जैन में ई-रिक्शा यात्रियों और श्रद्धालुओं की पहली पसंद बन चुके हैं. इन दिनों ई-रिक्शा चालकों और यात्रियों के सामने एक नई और गंभीर तकनीकी समस्या खड़ी हो गई है.

बैटरी सिस्टम हो रहा हैक - नवभारत को मिली जानकारी के अनुसार, कुछ ई-रिक्शा संचालकों ने आशंका जताई है कि बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) को मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से प्रभावित किया जा रहा है. बताया जा रहा है कि बीएटी-बीएमएस नामक एक मोबाइल ऐप के जरिए कुछ प्रकार की लिथियम बैटरियों से कनेक्ट होकर उनकी सेटिंग्स तक पहुंच बनाई जा सकती है. यदि बैटरी का ब्लूटूथ या टेलीमैटिक्स सिस्टम असुरक्षित हो तो बैटरी को अस्थायी रूप से डिसेबल किया जा सकता है, जिससे ई-रिक्शा अचानक बंद हो जाता है.

तकनीकी जांच की जरूरत - जनहित को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग और साइबर विशेषज्ञों को इस पूरे मामले की तकनीकी जांच करानी चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि ई-रिक्शा के अचानक बंद होने के पीछे तकनीकी खराबी है या फिर किसी ऐप अथवा अन्य माध्यम से बैटरियों के साथ छेड़छाड़ की जा रही है. यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में श्रद्धालुओं, यात्रियों और ई-रिक्शा संचालकों के लिए यह एक बड़ी समस्या बन सकती है.

ब्लूटूथ और जीपीएस से शंका

तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार, आधुनिक इलेक्ट्रिक वाहनों और कई ई-रिक्शा बैटरियों में ब्लूटूथ आधारित बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, टेलीमैटिक्स, जीपीएस और रिमोट मॉनिटरिंग तकनीक का उपयोग किया जाता है. इन प्रणालियों का उद्देश्य बैटरी की निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है, लेकिन यदि इनके सुरक्षा मानकों में कमी हो या अनधिकृत रूप से इन तक पहुंच बनाई जाए, तो संचालन प्रभावित हो सकता है.

फाल्ट नहीं पता चलता

ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि वाहन बंद होने के बाद गैरेज में जांच कराने पर भी कोई स्पष्ट तकनीकी खराबी सामने नहीं आती. इससे चालक असमंजस में हैं और उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है. कई चालकों का कहना है कि वे तकनीकी जानकारी के अभाव में यह समझ ही नहीं पा रहे हैं कि आखिर उनके वाहन अचानक क्यों बंद हो रहे हैं.

जिम्मेदारी किसकी

अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या ई-रिक्शा में उपयोग हो रही स्मार्ट बैटरियों की सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त है? क्या किसी मोबाइल ऐप के माध्यम से इनके संचालन को प्रभावित किया जा सकता है? और यदि ऐसा हो रहा है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? जहां गाड़ियां बंद होती है वहां यात्री और चालक तो परेशान होते ही है थोड़ी देर में जाम भी लगने लग जाता है और ई रिक्शा वालों को लोग भला बुरा कह रहे हैं.

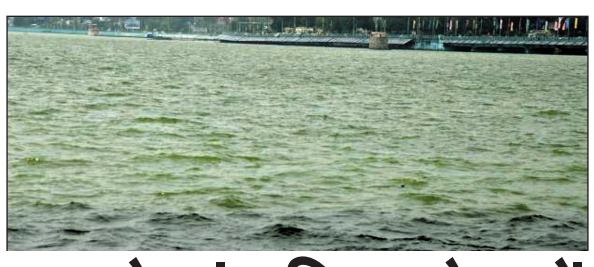

अगले पांच दिन प्रदेश में बारिश-आंधी का अलर्ट

50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के आसार

- रतलाम में अधिकतम तापमान 37 .6 डिग्री

भोपाल, 1 जुलाई. मध्य प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है. मौसम विभाग ने 5 जुलाई तक प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश, गरज-चमक और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की चेतावनी जारी की है.

कुछ जिलों के लिए ऑरेंज और रेड अलर्ट भी जारी किया गया है. विभाग के अनुसार अलग-अलग मौसम प्रणालियों के असर से अगले कुछ दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहेगा. मौसम विभाग के मुताबिक 3 और 4 जुलाई को बड़वानी और खरगोन जिले में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है. वहीं 5 जुलाई को गुना, सागर, रायसेन और रीवा संभाग के कुछ इलाकों में भी अत्यधिक बारिश का अनुमान है. इसके अलावा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नर्मदापुरम, शहडोल, रीवा और सागर संभाग के कई जिलों में अलग-अलग दिनों में तेज बारिश, बिजली गिरने और तेज हवा चलने की संभावना जताई गई है. देर शाम और रात के शुरुआती घंटों में सागर, रायसेन, उज्जैन, सतना, रीवा, मऊगंज, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, पन्ना, इंदौर, देवास, धार, अलीराजपुर, झाबुआ और सिंगरौली में मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और 50 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चल सकती है.

मुरलीधर कृपा विद्या मंदिर, मक्सी

MURLIDHAR KRIPA VIDHYA MANDIR
विद्या विन्दते अमृतम्

श्रेष्ठ शिक्षा का आश्वासन, उज्जवल भविष्य की नींव

(CBSE Affiliation No. 1031113)

सीनियर सेकंण्डरी स्कूल English Medium

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड भारत असतो मा सद्गमय

स्थानः वार्ड न. 6. उज्जैन रोड़ , मक्सी - जिला शाजापुर

Email.ID:- murlidharkripavidhyamandir@gmail.com

विगत चार वर्षो से उच्चतम बोर्ड परीक्षा परिणामों के साथ मक्सी नगर में प्रथम स्थान

:: गौरवशाली विद्यार्थी ::

पाखी जांगिड 94% | खुशी जलोदिया 91% | राशि ओसवाल 89% | ऋषिका पटेल 88% | मानस धाकड़ 87%

प्रवेश प्रारंभ - सत्र 2026-27

कक्षा नर्सरी से 12 वीं तक

(P.C.B, P.C.M, Commerce)

आइए, एक ऐसे विद्यालय से जुड़िए जो देता है - शिक्षा के साथ संस्कार, सफलता के साथ सुरक्षा और भविष्य के लिए बुनियादी मजबूती.

जहां शिक्षा है संस्कारों के साथ -वही है मुरलीधरकृपा की बात

हमारी विशिष्टताएः

- आधुनिक डिजिटल लर्निंग एवं वैदिक भारतीय मूल्य शिक्षा के साथ संस्कार और तकनीकी नवाचार का सुंदर समावेश.
- अनुभवी शिक्षकों द्वारा उत्कृष्ट मार्गदर्शन हर विद्यार्थी की व्यक्तिगत प्रगति का मूल्यांकन और विशेष अभिरूचि के अनुसार कैरियर हेतु मार्गदर्शन.
- स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी ,लेब्स एवं ई-लर्निंग सुविधा सांइस, मैथ्स व कंप्यूटर की उन्नत प्रयोगशालाएं तथा डिजिटल माध्यम से पढ़ाई.
- संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था - सीसीटीवी एवं जीपीएस युक्त ट्रांसपोर्ट विद्यालय एवं वाहन दोनों में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि.
- एयर कंडीशनर कक्षाएं एवं 6000 वर्ग फीट का वातानुकूलित ऑडिटोरियम खिलौनों व इनडोर गेम्स से युक्त प्ले ग्रुप सेक्शन.
- खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन के मैदान सहित नृत्य, वाद्य संगीत, योग आदि का नियमित अभ्यास.
- आरओ शुद्ध पेयजल की सुविधा बच्चो के स्वास्थ्य और स्वच्छता का पूर्ण ध्यान.
- अत्यंत सुलभ और पारदर्शी फीस संरचना सभी वर्गो के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ.
- छात्र- छात्राओं के व्यक्तित्व विकास हेतु विशेष कार्यक्रम स्पीच, डिबेट, प्रतियोगिताएं और नेतृत्व विकास की गतिविधियां.

संपर्क करे :- मो. 9407021768,7987239375 पता :- वार्ड न. 6. उज्जैन रोड़ , मक्सी - जिला शाजापुर

पेज एक का शेष

मुख्यमंत्री ने दी करोड़ों की सौगात

उन्होंने कहा कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे. इस दौरान हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत लाभ वितरित किए गए तथा कृषि, प्राकृतिक खेती और श्रीअन्न उत्पादन को बढ़ावा देने संबंधी संदेश दिया गया. मुख्यमंत्री ने किसानों से अधिक से अधिक श्रीअन्न की खेती अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी, प्रदेश की कृषि और अधिक सशक्त होगी तथा मध्यप्रदेश देश के अग्रणी कृषि राज्यों में अपनी पहचान और मजबूत करेगा.

राज्यों के साथ मानसून पर पीएम मोदी ने की समीक्षा

उन्होंने राज्यों को उपलब्ध जल संसाधनों के संरक्षण और उनके प्रभावी उपयोग के लिए आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी. विश्व मौसम विज्ञान संगठन और भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से प्रशांत महासागर में अल नीनो की सक्रियता के कारण मानसून और वर्षा के पैटर्न पर संभावित प्रभाव की आशंका जताई गई है. इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने संबंधित विभागों और राज्य सरकारों को संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60